डॉ० अनुजा कुमारी
(इतिहास विभाग)
एस० एन० एस० आर० के० एस कॉलेज
सहरसा

Scanned By Scanner Go

पुस्तक को पढ़े लेकिन चर्च में जाकर इस प्रार्थना को पढ़ना सबों के लिए अनिवार्य कर दिया गया इतना ही नहीं बल्कि इसके साथ ही साथ रविवार को सबों को चर्च में जाना आवश्यक कर दिया गया और साथ ही साथ ~~इसके साथ~~ यह भी तय कर दिया गया कि जो व्यक्ति रविवार के दिन चर्च में नहीं पहुँचेंगे तो एक सिलिंग का अर्थ दण्ड लगाया जायगा।

इस तरह एलिजाबेथ द्वारा स्थापित चर्च को एंग्लिकन चर्च कहलाने लगा और मैं चलकर यह चर्च राष्ट्रीय चर्च हो गया सबसे बड़ी बात तो यह थी ~~प्रोटेस्टेन्टों~~ एंग्लिकन चर्च में कैथोलिकों और प्रोटेस्टेन्टों दोनों का सामावेस हो गया था जिससे इंगलैंड की जानता काफी खुश थी। लेकिन अभी भी कुछ ऐसे कैथोलिक और प्रोटेस्टेन्टों लोग थे जो अपने विचारों में बिल्कुल परिवर्तन नहीं लाना चाहते। ऐसी स्थिति में महारानी एलिजाबेथ ने दोनों लोगों के साथ कड़ी निति अपनाई। नतिजा यह हुआ कि कैथोलिक लोग विद्रोह कर दिये। लेकिन इस विद्रोह को सिघ्र दवा दिया गया। लेकिन अब बदले की भावना से ग्रसित वे लोग रानी को गद्दी से हटाने के लिए रचने लगे। लेकिन उसका षड्यंत्र सफल नहीं हो सका। सबसे बड़ी बात तो यह है।

Scanned By Scanner Go

कि प्यूरिटन लोग भी ऐलिजाबेथ के सुधार से संतुष्ट नही था इसका एक मात्र कारण यह है। कि उन्हे ऐंग्लिकन चर्च से कई बातो की भिन्नता नजर आ रही थी। वैसे लोग प्यूरिटन मूर्ति पूजा के विरोधी थी। वे वैयक्तिक की शुद्ध और सरल शिक्षा पर बल देता साथ ही उसका जीवन भी सदा एवं सरल था। वे नाच गान धुम धराका इन सारी चीजो को पसंद बिल्कुल नही करते थे। वे तो सिर्फ चर्च के सुधार को आगे बढ़ाना चाहते थे। लेकिन महारानी एलिजाबेथ तो इंगलैंड की सासिका थी। और एक सासिका होने के कारण उन्हे सिर्फ चर्च पर ही नही बल्कि बहुत सारी चीजो पर ध्यान देना पड़ता था यही कारण है कि महारानी एलिजाबेथ से इन लोगो का संबंध अच्छा नही था। इसलिए रानी की बातो का अमेलना के फलस्वरूप इन लोग पर रानी कुचक चलना शुरु हो गया। ऐसी स्थिति मे बहुत सी प्यूरिटन लोग चर्च से अपना रिश्ता नाता तोड़ लिया जो वेढ ने चलकर इंगलैंड मे डीसेंटर के नाम से जाने लगा इस क्रम महारानी ऐलिजाबेथ ने कितने लोग को निकाल बाहर किया और बहुत सारे लोग को मौत की सजा सुनाई गई इतना ही नही बल्कि एक प्रधानाध्यापक जिनका नाम कार्ल राइट था। बात नही मानने

Scanned By Scanner Go